यूरोप में राष्ट्रवाद

Set-1

HISTORY

Chapter -1

Top 5

Short Questions

Total Objective Questions in Set= 5

xxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxx

Q.1 नेपोलियन कौन था ?

नेपोलियन का पूरा नाम नेपोलियन बोनापार्ट है उनका जन्म 15 August 1769 ई० को अजैसियों में हुआ था। उसके पिता का नाम चार्ल्स बोनापार्ट था चार्ल्स-बोनापार्ट एक चिरकालीन कुलीन परिवार के थे। इतिहास में नेपोलियन विश्व के सबसे महान सेनापतियों में गिना जाता है। वह इतिहास के सबसे महान विजेताओं में से एक था। उसके सामने कोई रुक नहीं पा रहा था। जब तक कि उसने 1812 में रूस पर आक्रमण(हमला) नहीं किया ,जहां सर्दी और वातावरण से उसकी सेना को बहुत नुक़सान पहुँची। 18 जून 1815 वॉटरलू के युद्ध में हार के बाद अंग्रज़ों ने उसे अन्ध महासागर के दूर द्वीप(island) सेंट हेलेना में बन्दी बना दिया। छः वर्षों के अन्त में वहाँ उसकी मृत्यु हो गई।इतिहासकारों के अनुसार अंग्रेज़ों ने उसे ज़हर देकर मार डाला।

Q.2 मेटरनिख कौन था ?

मेटरनिख का जन्म 15 मई 1773 में आस्ट्रिया के काबलेज नगर में हुआ था। वह कुलीन श्रेणी के खानदान से सम्बंध रखता था। अपने विश्वविद्यालय के शिक्षणकाल में उसने फ्रांस की क्रान्ति के फलस्वरूप भागे हुए कुलीनों की दुःख गाथा को सुना था तथा उसी समय से वह क्रांतिकारी भावनाओं का जानी दुश्मन बन गया था। उसका पिता पवित्र रोमन साम्राज्य का उच्चाधिकारी(superior officer) और जर्मनी का सरदार था। राइन नदी के किनारे पश्चिमी जर्मनी में उसके पिता की एक बड़ी जागीर थी। जब क्रांति के दौरान नेपोलियन ने इस जागीर पर अधिकार कर लिया तो मैटरनिक विद्यार्थी जीवन में ही क्रांति का विरोधी एवं नैपोलियन का कट्टर दुश्मन बन गया।

Q.3 मेजिनी कौन था ?

मेज़िनी एक सेनापति था और सेनापति के साथ - साथ लोगों के विचारों का समर्थ और योग्य सेनापति था। लेकिन उसे नेताओं के मामले में कुछ नया ज्ञान या बेहतर समझ नही था। इसलिए उसमें आदर्शवादी (आदर करने वाला) गुण अधिक और व्यहवारिक गुण कम था।अपनी पराजय के बाद भी मेजिनी ने हार नही मानी। सन 1831 में उसने यंग इटली नाम की एक संस्था की शुरूवात की जिसने नया इटली के निर्माण में महतपूर्ण भाग लिया ।इसका उद्देश्य इटली मे दखल अंदाजी करने वाले को ख़त्म करना था तथा सभी लोगों को जोड़ कर एक गणराज्य का निर्माण करना था।

Q.4 काउंट कावुर कौन था ?

काउंट कावूर पीडमान्ट का प्रधानमंत्री था जिसका जन्म 1 अगस्त 1810 ई.जमीनदार परिवार में हुआ था ,जिसने अपना शुरुआती जीवन एक सैनिक से शुरू किया , लेकिन बाद में उस पद से स्तीफा दे दिया और राजनीति की तरफ़ क़दम बढ़ाया 1848 में वह देश की संसद(राज्य सभा लोक सभा का संयुक्त रूप।) का सदस्य बना, और बाद में 1852 में अपनी योग्यता के द्वारा पीडमांट देश का प्रधानमंत्री बन गया,

Q.5 ग़ैरीबाल्डी कौन था ?

गैरीबाल्डी - का पूरा नाम ज्यूसप गैरीबाल्डी था | इनका जन्म 1887 में नीस नामक नगर में हुआ था | यह पेसे से एक नाविक था और मेजिनी के विचारों का समर्थन था परन्तु बाद में काबूर के प्रभाव में आकर संवैधानिक राजतंत्र का समर्थन बन गया | गैरीबाल्डी ने सशस्त्र के द्वारा दक्षिणी इटली के हुए खंड का एकीकरण कर वहाँ गणतंत्र की स्थापना करने का पर्यास किया | गैरीबाल्डी ने नेपल्स और सिसली पर आक्रमण किया | इन में रहने वाले अधिकांश जनता बूर्बो राजवंश के निरंकुश शासन से तंग होकर गैरीबाल्डी का समर्थक बन गया था | गैरीबाल्डी ने यहां विक्टर एमैनुएल के पर्तिनिधि के रूप मे सता संभाली | गैरीबाल्डी के दक्षिण अभियान का कबूर ने भी समर्थन किया |

Q.6 बिस्मार्क कौन था ?

बिस्मार्क (1 अप्रैल 1815 - 30 जुलाई 1898), वह 'ओटो फॉन बिस्मार्क' के नाम से अधिक प्रसिद्ध है। उसने अनेक जर्मनभाषी राज्यों का एकीकरण करके शक्तिशाली जर्मन साम्राज्य स्थापित किया। वह अपने युग का बहुत बड़ा कूटनीतिज्ञ था। अपने कूटनीतिक संधियों के तहत फ्रांस को मित्रविहीन कर जर्मनी को यूरोप की सर्वप्रमुख शक्तिशाली बना दिया।बिस्मार्क 1862 में प्रशा का द्वितीय चान्सलर बना और अपनी कूटनीति, सूझबूझ रक्त एवं लौह की नीति के द्वारा जर्मनी का एकीकरण पूरा किया। 1871 ई. में एकीकरण के बाद बिस्मार्क ने घोषणा की कि जर्मनी एक सन्तुष्ट राष्ट्र है